प्रिलिम्स फैक्ट्स: 11 सितंबर, 2020

- [फाइव स्टार विलेज स्कीम]
- [सरोद पोर्ट्स]
- [दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के लिये डब्ल्यूएचओ का 73वाँ सत्र]
- [वैभव प्रोटानिलिला]

फाइव स्टार विलेज स्कीम

Five Star Villages Scheme

हाल ही में भारतीय डाक विभाग ने देश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रमुख डाक योजनाओं की सार्वभौमिक कवरेज सुनिश्चित करने के लिये**फाइव स्टार विलेज स्कीम**' (Five Star Villages Scheme) की शुरुआत की है।

//

प्रमुख बिंदु:

- यह योजना विशेष रूप से सुदूरवर्ती गाँवों में डाक सेवाओं के बारे में जन जागरूकता फैलाने तथा डाक उत्पादों एवं सेवाओं को पहुँचाने का प्रयास करेगी।
- फाइव स्टार गाँवों की योजना के तहत सभी डाक उत्पादों एवं सेवाओं को ग्रामीण स्तर पर उपलब्ध कराके उनका विपणन एवं प्रचार-प्रसार किया जाएगा।
- भारतीय डाक विभाग के शाखा कार्यालय ग्रामीणों की सभी संबंधित ज़रूरतों को पूरा करने के लिये वन-स्टॉप शॉप के रूप में कार्य करेंगे।
- इस योजना के अंतर्गत आने वाली योजनाओं में शामिल हैं:
  1. बचत बैंक खाते, आवर्ती जमा खाते, एनएससी/केवीपी प्रमाण पत्र
  2. सुकन्या समृद्धि खाते/पीपीएफ खाते
  3. वित्त पोषित डाकघर बचत खाता भारतीय डाक पेमेंट बैंक खाते
  4. पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी/ग्रामीण डाक जीवन बीमा पॉलिसी
  5. प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना खाता/[प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना] खाता
- यदि कोई गाँव उपरोक्त सूची में से चार योजनाओं के लिये सार्वभौमिक कवरेज प्राप्त करता है तो उस गाँव को 4-स्टार दर्जा मिल जाएगा और यदि कोई गाँव तीन योजनाओं को पूरा करता है तो उस गाँव को 3-स्टार दर्जा दिया जाएगा।
- इस योजना की शुरुआत महाराष्ट्र से की जाएगी, इसके बाद यहाँ के अनुभव के आधार पर इसे पूरे देश में लागू किया जाएगा।
  - वर्तमान वित्तीय वर्ष 2020-2021 के दौरान प्रत्येक ज़िले के कुल 50 गाँवों को शामिल किया जाएगा। भारतीय डाक विभाग के क्षेत्रीय

कार्यालय इस योजना में शामिल किये जाने वाले गाँवों की पहचान करेंगे।

योजना का कार्यान्वयन:

- इस योजना को पाँच ग्रामीण डाक सेवकों की टीम द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा जिन्हें डाक विभाग के सभी उत्पादों, बचत एवं बीमा योजनाओं के विपणन के लिये एक गाँव सौंपा जाएगा।
- इस टीम का नेतृत्त्व संबंधित शाखा कार्यालय के शाखा पोस्ट मास्टर करेंगे। डाक निरीक्षक दैनिक आधार पर टीम की प्रगति पर व्यक्तिगत निगरानी रखेंगे।

जन जागरूकता अभियान:

- ग्रामीण डाक सेवकों की टीम सभी पात्र ग्रामीणों को कवर करते हुए सभी योजनाओं के बारे में घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाएगी।
- भारतीय डाक का शाखा कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर सूचना प्रदर्शित करके व्यापक प्रचार किया जाएगा।

सरोद पोर्ट्स

SAROD Ports

10 सितंबर, 2020 को केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री ने नई दिल्ली में वर्चुअल समारोह के माध्यम से**सरोद-पोर्ट्स (SAROD Ports: Society for Affordable Redressal of Disputes Ports)** अर्थात् '**विवादों के किफायती समाधान के लिये समिति**' का शुभारंभ किया।

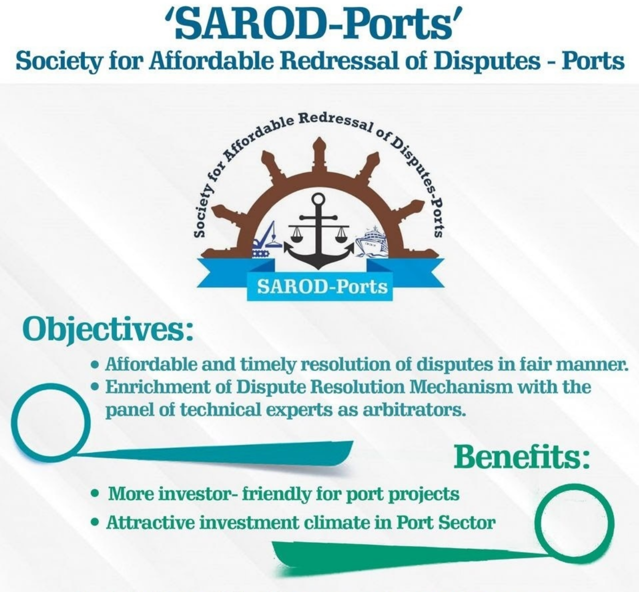

प्रमुख बदिु:

- सरोद-पोर्ट्स की स्थापना **सोसाइटी पंजीकरण अधनियिम, 1860** के तहत नम्निलखिति उद्देश्यों के साथ की गई है:
  - न्यायपूर्ण तरीके से ववादों का कफियायती एवं समयबद्ध समाधान
  - मध्यस्थों के रूप में तकनीकी वशिषज्ञों के पैनल के साथ ववाद समाधान तंत्र का संवर्द्धन
- सरोद-पोर्ट्स में '**इंडयिन पोर्ट्स एसोसएिशन**' (Indian Ports Association- IPA) और **इंडयिन प्राइवेट पोर्ट्स एंड टर्मनिल्स एसोसएिशन**' (Indian Private Ports and Terminals Association- IPTTA) के सदस्य शामलि हैं।
- सरोद-पोर्ट्स समुद्री क्षेत्र में मध्यस्थों के माध्यम से ववादों के नपिटान में सलाह एवं सहायता प्रदान करेंगे जनिमें प्रमुख सार्वजनकि बंदरगाह एवं नजिी बंदरगाह, जेटी, टर्मनिल, गैर-प्रमुख बंदरगाह, पोर्ट एवं शपिगि क्षेत्र शामलि हैं।
- यह प्राधकिरण एवं लाइसेंसधारी/रयायित प्राप्तकर्त्ता/ ठेकेदारों के बीच ववादों को भी नपिटायेगा और वभिन्नि अनुबंधों के नष्पादन के दौरान लाइसेंसधारी/रयायित प्राप्तकर्त्ता और उनके ठेकेदारों के बीच होने वाले ववाद भी इसमें शामलि होंगे।
- उल्लेखनीय है कि सिरोद–पोर्ट्स के प्रावधान राजमार्ग क्षेत्र में NHAI द्वारा गठति **सरोद–रोड्स** (SAROD-Roads) के समान हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के लिये डब्ल्यूएचओ का 73वाँ सत्र

73rd session of WHO South East Asia Region

10 सितंबर, 2020 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO South East Asia Region) के 73वें सत्र में भाग लिया।

प्रमुख बिंदु:

- इस अवसर पर सभी सदस्य राष्ट्रों ने क्षेत्रीय एकजुटता के महत्त्व को पहचानते हुए COVID-19 के मद्देनज़र लचीली स्वास्थ्य प्रणालियों अर्थात् '**सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज एवं स्वास्थ्य आपात स्थिति पर दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय फ्लैगशिप** ' (South-East Asia Regional Flagships on Universal Health Coverage and Health Emergencies- SEARHEF) जो आपातकालीन जोखिम प्रबंधन में क्षमता को बढ़ावा देती है, पर चर्चा की।
- SEARHEF, सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात परिस्थितियों के दौरान तेज़ी से वित्तीय संसाधन प्रदान करती है।
    - इसे वर्ष 2019 के दिल्ली घोषणापत्र में आपातकाल स्थितियों के लिये स्वीकार किया गया था।
    - यह आपदा जोखिम प्रबंधन और COVID-19 के मद्देनज़र आपातकालीन जोखिम प्रबंधन एवं आपातकालीन तैयारियों में क्षमता बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध है।
- इस सत्र में निम्नलिखित मुद्दों पर सहमति बनी:
    - गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाओं (COVID-19 एवं गैर-COVID-19 दोनों) तक लोगों की पहुँच सुनिश्चित करने के लिये यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज एवं प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के महत्त्व की पुष्टि करना।
    - विशेष रूप से सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करना।
    - COVID-19 महामारी के दौरान और बाद में निर्बाध स्वास्थ्य सेवाओं को बनाए रखने के लिये पर्याप्त स्वास्थ्य बजट आवंटित करके लोगों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना।
    - डिजिटल तकनीकों का लाभ उठाते हुए स्वास्थ्य सूचना प्रणाली को मज़बूत करना और नीतिगत निर्णय के लिये जानकारी साझा करना।
    - स्वास्थ्य पेशेवरों एवं अन्य संबंधित श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा पर्याप्त सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं सामाजिक उपायों के माध्यम से रोगियों एवं अन्य लोगों की सुरक्षा को मज़बूत करना और विभिन्न प्रकार के गुणवत्ता वाले व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों तक पहुँच सुनिश्चित करना।
    - उचित चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से व्यावसायिक एवं पर्यावरणीय सुरक्षा को मज़बूत करना।
    - COVID-19 पर बायोमेडिकल, स्वास्थ्य नीति एवं प्रणालीगत अनुसंधान को मज़बूत करना जो राष्ट्रीय नीति निर्णयन एवं SEAR (South-East Asia Region) सदस्य देशों में ज्ञान साझा करने का समर्थन करते हैं।
    - COVID-19 के नकारात्मक परिणामों को कम करने के लिये सरकार और समाज के सहयोगी दृष्टिकोण के माध्यम से बहु-क्षेत्रीय सहयोग को जारी रखना एवं उनका विस्तार करना।
    - विशेष रूप से तैयारी, निगरानी एवं तीव्र प्रतिक्रिया, क्षेत्रीय महामारी विज्ञान प्रशिक्षण, दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और आवश्यक स्वास्थ्य संसाधनों के क्षेत्रीय भंडार हेतु SEAR सदस्य राष्ट्रों का समर्थन करने के लिये क्षेत्रीय सहयोग को मज़बूत करना।
    - स्वास्थ्य अंतरालों को पहचानना और **अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम-2005** (International Health Regulations 2005) द्वारा आवश्यक कोर क्षमताओं को मज़बूत करना।

अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम-2005 (International Health Regulations 2005):

- अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियिम (2005) का उद्देश्य सार्वजनकि स्वास्थ्य जोखमिों से नपिटना एवं वभिन्नि तरीकों से रोगों के अंतर्राष्ट्रीय प्रसार को रोकना एवं सार्वजनकि स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है।
- अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य वनियिम (2005), वैश्वकि स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करते हैं।

  - टीकों, दवाओं एवं नदिान के उत्पाद आवंटन पर वैश्वकि चर्चा में पूरी तरह से संलग्न होना।

वैभव प्रोटानलि्ला

Vaibhav’s Protanilla

हाल ही में शोधकर्त्ताओं ने गोवा के **नेत्रावली वन्यजीव अभयारण्य** (Netravali Wildlife Sanctuary) में लगभग 2.5 ममिी. लंबी चींटी की एक नई प्रजाति '**वैभव प्रोटानलि्ला**' (Vaibhav’s Protanilla) की खोज की है।

प्रमुख बदिु:

- चींटी की इस नई प्रजाति का नाम '**वैभव प्रोटानलि्ला**' (Vaibhav’s Protanilla), प्रोफेसर वैभव चदिारकर (Vaibhav Chindarkar) के नाम पर रखा गया है जो गोवा के सखाली (Sakhali) में 'गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स' के प्राणीशास्त्र वभािग के प्रमुख हैं।
- वैभव प्रोटानलि्ला को प्रोटानलि्ला नामक चींटियों के एक दुर्लभ समूह में स्थान दयिा गया है, अभी तक इस समूह से संबंधति सरि्फ 12 चींटी प्रजातयिाँ ही ज्ञात थीं।
- अन्य भूमगित चींटियों की तरह यह समूह पारस्थितिकिी तंत्र के लयिे अत्यंत महत्त्वपूर्ण है जैसे- मट्टिी में कीट नयिंत्रण करके मृदा की उर्वरता बनाए रखना।

वशिषताएँ:

- चींटियों का यह समूह वशिष रूप से भूमगित रहता है और इसे भूमि के ऊपर शायद ही कभी देखा जाता है।
- यह प्रजाति **पीले-नारंगी रंग** की है और इसलयिे इसका नाम लैटनि भाषा में **फ्लेम्मा**' (flamma) रखा गया है जसिका पूरा वैज्ञानकि नाम **प्रोटानलिा फ्लैम्मा**' (Protanilla flamma) है।
- यह प्रजाति पूरी तरह से अंधी है और अपने अंधेरे भूमगित क्षेत्र में नेवीगेशन के लयिे स्पर्श प्रतक्रियिा एवं रासायनकि संकेतों पर नरि्भर करती है।
- इन चींटियों को छोटे आकार की कॉलोनयिों में रहने के लयिे जाना जाता है और ये अन्य छोटे कीड़ों का शकिार करती हैं।

नेत्रावली वन्यजीव अभयारण्य (Netravali Wildlife Sanctuary):

- नेत्रावली वन्यजीव अभयारण्य पूर्वी गोवा के सुंगुम तालुका में काली नदी के बेसनि में स्थति है।
- नेत्रावली वन्यजीव अभयारण्य के उत्तर में भगवान महावीर वन्यजीव अभयारण्य और दक्षणि में कोटगिाओ वन्यजीव अभयारण्य स्थति है।
- इस वन्यजीव अभयारण्य के प्रमुख जीव जंतुओं में ब्लैक पैंथर (Black Panther), वशिालकाय गलिहरी (Giant Squirrel), स्लेंडर लोरसि (Slender Loris), ग्रेट पाइड हॉर्नबलि्स (Great Pied Hornbills) आदि शामलि हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-11-september-2020